ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५१
दिनांक- शुक्रवार, ०२ जुलाई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.9 एवं 24.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 87 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.7 एवं दोपहर में 31.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 50.5 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 जुलाई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03–07 जुलाई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में मानसून के मध्यम से घने बादल छाये रह सकते है। अगले १२–२४ घंटों में उत्तर बिहार के जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। उसके बाद हल्की–हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 29–33 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य १० जुलाई तक सम्पन्न कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य ८ जुलाई तक सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलोस्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीजदर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है, वहाँ ऊचॉस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बी०एस०एच०-१, के० बी०एस०एच०-१, के० बी०एस०एच०-४४ सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर १०० किवन्टल कम्पोस्ट, ३०-४० किलो नेत्रजन, ८०-६० किलो स्फुर एवं ४० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान ३०-४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम तथा संकुल के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०: छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 28.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 21.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी